कक्षा - II

विषय - हिन्दी

पाठ - 3

नटखट बंदर

पाठ का सारांश

बबुआ नाम के एक बंदर को कहीं से एक आईना मिल जाता है | वह आईने में जानवरों को उनकी तस्वीर दिखाकर उन्हें डरा देता है |एक दिन आईना टूट जाता है और उसका भेद खुल जाता है | उसकी सारी अकड़ गायब हो जाती है | प्रस्तुत पाठ में लेखक बताना चाहते हैं कि कुछ लोग बहुत चतुर होते हैं | वे दूसरों की नासमझी का फायदा उठा लेते हैं |परंतु एक ना एक दिन सच्चाई सामने आ ही जाती है |

शब्दार्थ

1) नटखट - शरारती 2) आईना - दर्पण / शीशा 3) दाँत पीसना - गुस्सा करना 4) अकड़ - शेखी

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1 अति लघूत्तरात्मक प्रश्न-

1) बबुआ बंदर कैसा था ?

उत्तर- शरारती और नटखट |

2) बबुआ किससे डरकर भागा ?

उत्तर- शिकारी कुत्तों से |

3) शेर ने किसे मूर्ख कहा ?

उत्तर- भालू को |

प्रश्न 2 प्रश्नोंत्तर-

1) बबुआ कौन था ?

उत्तर- बबुआ एक नटखट और शरारती बंदर था |

2) एक दिन बबुआ को क्या मिला ?

उत्तर- एक दिन बबुआ को आईना मिला |

3) शेखू शेर क्यों डर गया ?

उत्तर- आईने में अपना ही जैसा शेर देखकर शेखू शेर डर गया |

4) बंदर पेड़ पर क्यों चढ़ गया ?

उत्तर- शिकारी कुत्तों से अपनी जान बचाने के लिए बंदर पेड़ पर चढ़ गया |

गृहकार्य

प्रश्न 1 किन्हीं चार पशु तथा पक्षियों के नाम लिखिए एवं चित्र चिपकाइए |

पशु - 1) _____ 2) _____ 3) _____ 4) _____

पक्षी - 1) _____ 2) _____ 3) _____ 4) _____

नोट- कृपया अभ्यास कार्य कॉपी में लिखें |